13 अप्रैल, 2020 सोमवार

उत्पत्ति के आधार पर शब्द भेद

→ उत्पत्ति के आधार पर शब्द के चार भेद है।

1. तत्सम शब्द 2. तद्भव शब्द 3. देशज शब्द 4. विदेशी शब्द

1. तत्सम शब्द :— संस्कृत भाषा के वे शब्द जो हिन्दी भाषा में ज्यों-के-त्यों आ गए हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं। जैसे - कवि, गुरु, बालक आदि।

2. तद्भव शब्द :— संस्कृत भाषा के वे शब्द जो कुछ रूप परिवर्तित (बदल) कर हिन्दी भाषा में प्रचलित हो गए हैं, तद्भव शब्द कहलाते हैं। जैसे — घृत शब्द संस्कृत का है, इससे शब्द बनता है घी। हस्त से हाथ, अग्नि से आग

3. देशज शब्द :— जो शब्द देश की क्षेत्रीय बोलियों से हिन्दी में आए हैं, वे देशज शब्द कहलाते हैं। जैसे — खिड़की, खटिया, लोटा, झाड़ू

5. विदेशी शब्द :— जो शब्द विदेशी भाषा से हिन्दी भाषा में शामिल हो गए हैं, वे विदेशी शब्द कहलाते हैं। जैसे— अरबी भाषा (तकिया, हवा) अंग्रेजी भाषा (बटन, कॉपी, पेन)

प्रयोग के आधार पर शब्द भेद

→ प्रयोग के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं। विकारी शब्द तथा अविकारी शब्द

1. विकारी शब्द :— जिन शब्दों के रूप लिंग, वचन और कारक के अनुसार परिवर्तित हो जाते हैं, वे अविकारी शब्द कहलाते हैं। जैसे— (वह—वे) सर्वनाम संज्ञा (लड़का—लड़के) क्रिया (है—हैं) आदि।

2. अविकारी शब्द— जिन शब्दों के रूप लिंग, वचन और कारक के अनुसार परिवर्तित नहीं होते हैं, वे अविकारी शब्द कहलाते हैं। जैसे—

1. रवि आज जाएगा 2. राधा आज जाती है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में आज शब्द में कोई परिवर्तन नहीं आया है। अतः यह अविकारी शब्द है।

गृहकार्य— लिखो व याद करो।